# भितरकनिका में लवणीय जल के मगरमच्छों की आबादी में मामूली वृद्धि

**स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस**

अपने विविध पारिस्थितिकी तंत्र के लिये प्रसिद्ध **ओडिशा के** भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में **2024** में वार्षिक जनगणना के दौरान लवणीय जल के मगरमच्छों **(क्रोकोडायलस पोरोसस)** की आबादी में मामूली वृद्धि देखी गई है।

## लवणीय जल के मगरमच्छों से संबंधित मुख्य बिंदु क्या हैं?

- **परिचय: लवणीय जल** का मगरमच्छ **सभी प्रकार के मगरमच्छों में सबसे विशाल** है, दुनिया में **सबसे बड़ा सरीसृप** है, जिसे विश्व स्तर पर एक ज्ञात आदमखोर (मैनईटर) के रूप में जाना जाता है।
  - मादा लवणीय जल के मगरमच्छ अपने नर समकक्षों की तुलना में आकार में छोटे होते हैं, आमतौर पर उनकी अधिकतम लंबाई 2.5 से 3 मीटर तक होती है।
  - वे जल की **लवणता को सहन करते हैं** और अधिकतर तटीय जल या नदियों के निकट पाए जाते हैं। वे नदियों और दलदलों के पास मीठे जल में भी पाए जाते हैं।
- **संवाद:** लवणीय जल के मगरमच्छ **फुसफुसाने, गुर्राने** और **चहचहाने** सहित कई ध्वनियों का उपयोग करके संवाद करते हैं।
- **वितरण**: लवणीय जल के मगरमच्छ **पूर्वी भारतीय तथा पश्चिमी प्रशांत महासागरों** में उष्णकटिबंधीय से उष्म समशीतोष्ण अक्षांश में पाए जाते हैं।
- **पर्यावास**: इनके पर्यावास में **मैंग्रोव वन** तथा अन्य तटीय आवास शामिल हैं।
- **शिकार:** लवणीय जल के मगरमच्छ विभिन्न प्रकार के जीवों का शिकार करते हैं। किशोर मगरमच्छ **लघु कीटों, उभयचर, सरीसृप, क्रस्टेशियाई (Crustaceans) तथा अन्य छोटी मछलियों का शिकार** करते हैं।
  - जबकि सामान्य मगरमच्छ **केकड़े, कछुए, साँप, पक्षी, भैंस, जंगली सूअर तथा बंदरों** का शिकार करते हैं।
  - लवणीय जल के मगरमच्छ जल में छिपते हैं तो केवल उनकी आँखें और नाक ही दिखाई देती हैं। वे **शिकार पर झपटकर उन्हें अपने जबड़े की सहायता से मार देते हैं** और फिर शिकार को सरलता से भोजन बनाने के लिये उसे जल की तह की ओर खींच ले जाते हैं।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **IUCN रेड लिस्ट:** कम चिंतनीय
  - WPA, 1972**:** अनुसूची **I**
  - CITES**:** परिशिष्ट **I/II**

## नोट:

**भितरकनिका** पश्चिम बंगाल में **सुंदरबन के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा मैंग्रोव वन** है। दोनों क्षेत्र लवणीय जल मगरमच्छ के तीन प्रमुख क्षेत्रों में से हैं जिसमें तीसरा क्षेत्र **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** है।

## भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान (NP) के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- भितरकनिका NP मूल रूप से खाड़ियों और नहरों का एक नेटवर्क है जो **ब्राह्मणी, बैतरणी, धामरा एवं पातासला नदियों** के जल से भर जाता है तथा एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र निर्मित करता है।
  - अभयारण्य की पूर्वी सीमा पर **गहिरमाथा समुद्र तट** है जो **ऑलिव रिडले समुद्री कछुओं का सबसे बड़ा निवास स्थान** है।
- इस उद्यान में एक अन्य अनूठा स्थल सूरजपुर क्रीक के निकट स्थित **बगागहना** है जो एक **हेरोनरी** (जलीय पक्षियों का प्रजनन स्थल) है।
  - घोंसले बनाने के लिये हज़ारों पक्षी यहाँ की खाड़ी में निवास करते हैं और संसर्ग से पूर्व हवाई कलाबाज़ी का अनूठा प्रदर्शन करते हैं।
- भितरकनिका में **किंगफिशर पक्षियों की आठ किस्मों** का भी निवास स्थान है जो दुर्लभ है

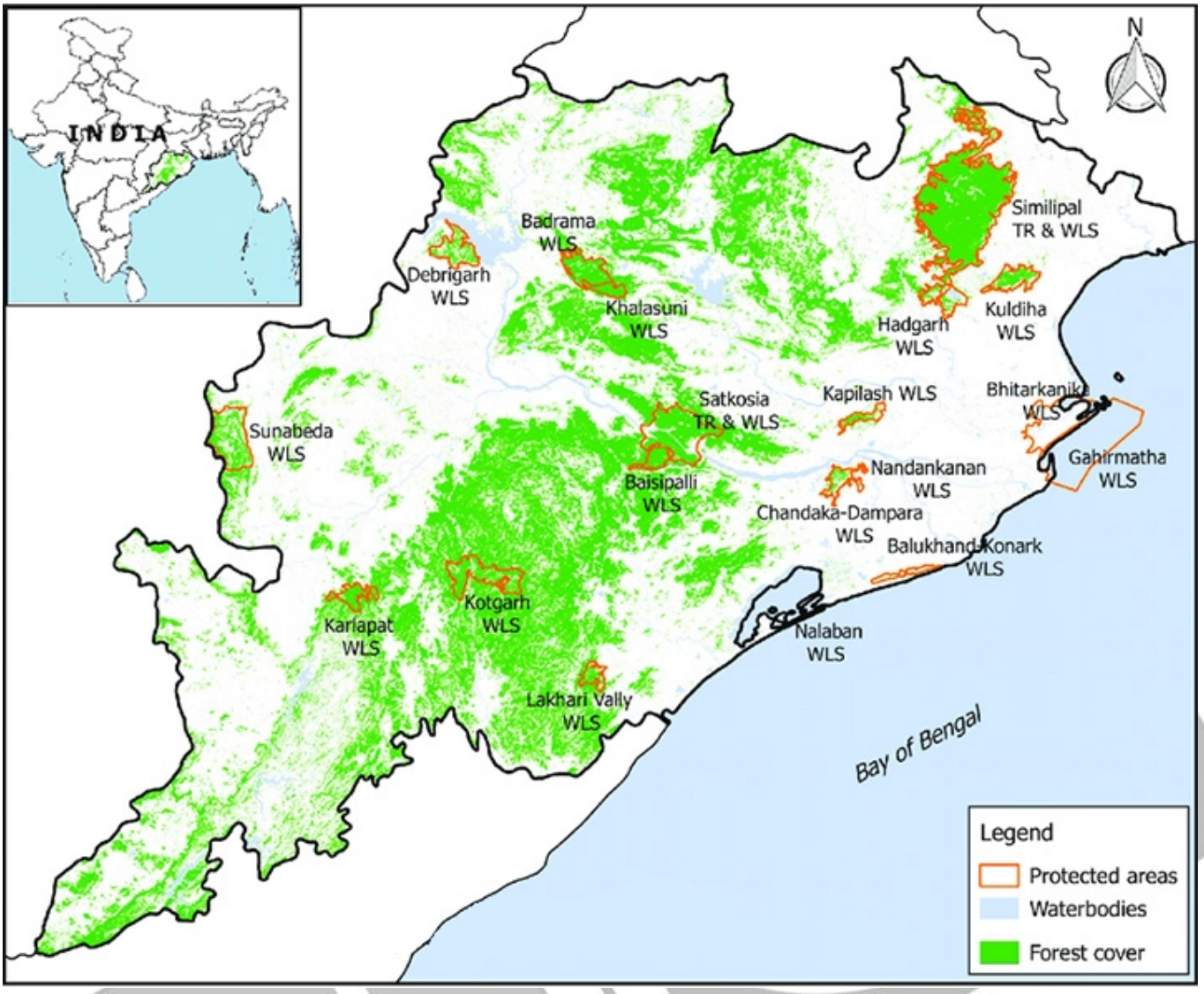


PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/marginal-rise-in-saltwater-crocodile-population-in-bhitarkanika